



श्रीफल जैन न्यूज की प्रस्तुति

अंतर्मुखी मुनि पूज्य सागर महाराज की कलम से

श्रीफल जिन पाठशाला -7

जानिए



परस्परपरोपग्रहो जीवानाम्





- मैं ओम हूं। मैं पंचपरमेष्ठी का प्रतीक हूं। मैं णमोकार मंत्र का सबसे छोटा स्वरूप हूं।
- मैं ह्रीं हूं। मैं चौबीस तीर्थंकर का प्रतीक हूं।
 - मैं स्वस्तिक हूं। मैं सभी मांगलिक कार्य में काम आता हूं।
- मैं तीन लोक का प्रतीक हूं। मैं जहां रहता हूं, समझो वह जैन धर्म को मानने वाला है।
- मैं जैन ध्वज हूं। मंदिर और धार्मिक कार्यक्रमों में मेरा सब उपयोग करते हैं।





सवाल

1.

ओम किसका प्रतीक है ?

2.

हीं किसका प्रतीक है ?

3.

णमोकार मंत्र का सबसे छोटा रूप क्या है ?

4.

तीन लोक का प्रतीक कौन काम में लेता है?

5.

जैन ध्वज का उपयोग कहां होता है ?

